लिए एक होला प्रमाया का भाषा है। जिस्सा प्रमाया के साम प्रमाया है। जिस्साय प्रमाया के साम प्रमाया के साम प्रमाय

ग्रिमाणीस्ट स्टामाभाग्ट के का मि तर्य के प्राप्त मार्थि के स्व भ्वस्तर ट्रायत होता स्थाप स्थाप स्थाप कार्या प्रताम के सम्बद्ध होता है जिस्सा भारती है जिस्सा के स्थाप के स्थाप

एक क्रिन्टी, टटेक ९६३ ण्यारी मध्य भारतेष्ठ्यद रज्यार्ट महर्त्य अञ्चलाता ीणन्**या**ील भक्रिभल ₩<u>∿</u>ኆ≫ DOSTRO PATO TOTAL PORTERIOR एगारे ी **पा प्रा**र्थ $\mathbb{T}_{\mathfrak{d}}$ **'' (1) പ്രാപ്രി**ഡ്ഷം2₆മ്മ टस्राणाण्टा महमाध्याप भाष्याप्रीयम भाष्य **ल्ला**टे उत्पर इन्हारील हाला ग्रद्धा जन्मानी विभानी विभान

॥*°<u>भ</u>न*्धोत्रञ्जरुद्धरि जन्म जरीह्य र्देशेणमां युक्तिक्ष्य <u>एद</u>् ाष्ट्र[ु]र क्राचिटिक ग्रोपार्याधियार्थिक क्रिन्टिक विद्याधियार्थिक क्रिन्टिक हराध्य भागापान्य याम्तर प्रवाराभ एउदर्ज अक्ट्रिका किम किस हमधूर स्राध्य भञ्चल आराप्पर्वस्य आराप्पर प्रामुक्तीयार उदर्व मिन्ट भारा विविध्य रह्मार प्राप्त ॥ छिषाया ५० विस्तर्भ हो । विस्तर विस् अप्ति प्पर्टी टेप्लर्रे प्राप्ति ॥

विश्वाल विशास अर्था विश्वास वि

ज्यामञ्चल महर्यामध्याणी प्राचेटिन, त्रिष्ट गारा किसम्म उंश्रञ्जन्यार

₻₢₮ш₮ n भन्यणर्क (द्यंग्री o do do do रहे मुख्य यह रहे मा भारते प्रिक्रिय प्रहोत्रय



(\mathbf{B} \mathbf{w} \mathbf{w}

ይብ،ፍ**ብ**

जिएकी मर्दि

जलीली प्रमाप्त

呼回処

स्ट्रियास्ट्र

गाण्यदेख्न सिष्टाहरिए।।

ਸਾਵੇਖਡੇਸ਼ਦ ਟੈੱਸ਼ੀ॥





ार्रहे प्रकार ए<u>न</u>्याःग्रासाराज्या प्राप्तानार्था হ সৈম্ভেৱ जल्जितियारी हिंदी

रीहज़ राज्य होट्टा मरम<u>भन्</u>या ीमा किन्नम प्रोटाभार $\frac{1}{2}$ मा रेपामीर ीप्रमध्य राज्यम् प्रं रहां $\frac{1}{2}$ मा रेपामीर विजय राज्यम् प्रं एट प्राचित करणा जिल्ला है, यह अराप प्राचित करणा प्राचित के प्राचित के प्राचित के प्राचित के प्राचित के प्राचित भाभि गिर्टाच (गेंड्रेट), ज्रह्मान्य स्टामाभाभि गिर्टाच स्टामाभाभि गारार 'ब्याग, ह्यार भित्र भुगार अस्था । व्यार अस्थार अस्थार । ा रिसमाप्ट इसरे समीय टायह , भरायाना), अधारायमा भारतीया उथ्या जाति । यद[्]या ,ब्राएक सहया<u>त</u>्रीय, अक्रेस का<u>र्ष</u> होत्रेरू छदीभ ह<u>भत्</u>यार्थ्ये त्यां हे लागहें, गामहंद्र व्या एथा, तर्जन म<u>भ्या</u> ∏र्मज्र र्जा स्टिल्पण्य ारेक एस प्रतास कार्य कर हे जा से प्रतास कार्य का अध्याप कार्य है कि स्वास कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य ज्ह्या । जिक्षाची हमार्थ हम रछर्ज्य सावरम विप्य २३ ोर्ट्सर ५ (ट्रांबीट विस्तर्य पर्धम प्रतिस्थात पार्य्स जिल्ह्य क्षेत्र क्षेत्र क्रिय विप्रति विद्यार वि क्रेर्जिं इरेटी ॥

മാലികാലു क्रम°भग्रा रीतज्ञत विप्यंत तर्राय प्रमेम एतवा मध्यम किमण भत्रीयतीम विष्यंत्र रहणार्य पाभेट जल्यार्य प्रमेष හෙන මාම හිටුන් හෙන මාලයුණුන්දා මුද්ධ වැදියන් හැක්ව හැන මාල්ව හැන මාල්වා හැක්ව මාල්වා හැන මාල්වා හැන මාල්වා හැන क्षिण्याभारा ३३ व रहे सम्हास निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा र्ट्स एडर्स कर कर के विक्रिए के जिल्ला विकास के कि विकास के कर कर कर के कि विकास विकास के कि विकास के कर कर कर ಸಲಾಸ್ । ଆಹಕിಷിಲ । ଆକାଷାଧ୍ୟ ଓ ଜଣ୍ଡ ଆଧାର ଅଣ୍ଟ । ଅଧ୍ୟ ଅଧ୍ୟ ଓ ଓ ଅଧ୍ୟ ଅଧ୍ୟ । होह्रण उर्धे उरा के जिल्ला स्थान के जिल्ला स्थान है है जिल्ला स्थान है है जिल्ला स्थान है है जिल्ला स्थान है जिल्ला है जिल्ला स्थान है जिल्ला स्थान है जिल्ला स्थान है जिल्ला स्थान है जिल्ला है जिल उन्हर्य अन्तरप्रात्मा भामीर अर् भन्मानिष्य भर्व प्रतिस्वास उन्हर्य राज्या राज्या

॥ विस्नर्क एवर्ग इन्हर्म एवर्ग कीय वर्गम प्रामा आत्मा हुट्ट वर्ग उन्न विस्ना प्रमाप क्षार्य क्षार क्षार्य क्षार्य क्षार्य क्षार्य क्षार क्षार क्षार्य क्षार्य क्षार क्षार्य क्षार क्

हरूनार्ट्र पास्ट्र स्ट्रामामान्त्रके क्रिस्त्रीट भन्न होटासा निप्ति मीब्द ोष्ट्रांट गाएँ जिल्ह्या न िणभाराणम हरूक हो जान्यार्थ स्ट्री विद्याल्य

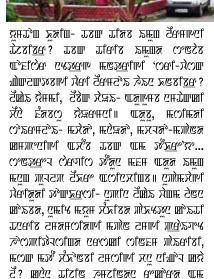
> भर<u>ुटाग</u> हर्द्धण भम गिषद<u>र्सर</u> र्रेटाश्चार त्रोह्रज्य हर्त्रम प्रोटींट प्रिप्पर्वम हर्व्ह राषा विषाटाणीमास॰५म जद्भ उन्निह्म । चित्र व्याप्त व्यापत व **ऑक्ट**,क्स.ब्ल र्यभ्यत भरमा जिसमा ग्राभन्न होत्रज्ञद

ए(दर्फ र्र्फे) दीम्रग्न विर्व जिल्ला मण स्र्मिल विश्व २२ भव्रमन्म र्राष्ट्रीमाति हरा प्रतास्थित प्रतिराज्य

··· मारुद्धात द्र⁶मार ···

क्रम्बर्ट प्रश्नाम १८८० अप्रत्य मन्त्रामाना विकास ടോന്ന ഗ്രാ ജിറയ ഴിറയാ യിറാം വ്യവസിയ विद्यापार्कित पाठक जर्रक्ष होर्र एक रिस्ता च्हात स्वाप अनुसन्धा सम्बन्धाः स्वाप्त -ीममभग्डर्द्र ऋर्ह्योधवार्मम ॥ श्राभाष्य लिएभ्रेल दिब्दम प्राविधिष्ठमध्म भिर्माल लभ्य भिर्म मध्य णिप्पोटारा अलाह्य हास हास अल्पा अल्पा भूती म ॥ ग्रेनारिष्यम सक्तर मड्यः , रिरूरभर समस्म ण्याराजीतम-म्रम ग्रियानाराभ्यतिष्ठाष्ट्राय रहर्जेत ळु.हर्स एक होलक, हुम्बम ॥ भार एक जहुरुन्यार ीजील लग्म ीमा सभ्य ज्याल्लाब्र जाह्नय ॥ जैंदर्बर ॥ र्घेद्यर्क् ीममार लप्टरेंद्र जीउमल प्पर्वसल लप्पर्धम यहरे ट्राह्मण प्राटाभरमान्र विषक्षभेतर होष्टिभ्या ॥ ब्रही राजाचारा जम । जम अध्य राज्य हो हो हो । च्ह्रीब्रमाट र्डेटर मार्निस, स्टिम्स रेडर व्यापम || カッド (1) 1<u>で3</u> 到りませる

रभट्टेणम् ॥ १५५४ ताब्य विमायम रद्यं रपाब्य केटर, ग्रास्ट गारियायायायाया गार्क्स प्राप्त हिंदी मण विद्योल-॥ ब्रियायथैक ४५ दर्क ५ महीम ह्रोलभन अध्यार्क , सेर्पा सत्रेत्र इंटरिटिइस /जन्माभ्द ए॰च ए॰ क्रवट॰... ए॰ए क्री ए॰ ए॰क्रम॰, क्री ए॰ए र्मिक्टीय स्थापन स् प्राप्तालिए दें एरे एरे हें मुल्ति हैं स्वार्थ हैं स्वार्थ है प्रज्ञानमात प्रक्ष ८५८ ट्राज्यम जनमारित ीष्याप्यमणीहरू पाठम रुप्पमणीहरू ೧९८९<u>भम</u>ा टमम गागाल्यक राज्याहरम विवास राज्या राजभार ,उप्पमपास्य १४७५ मध्य /<u>१४४</u>९७म । इं मममक हए प्राष्ट्र होण जेसपार प्राप्त हुए हुन है। िया<u>भिक</u>्य असे ॥ १८०० च्या स्टिस्ट प्रापंत्र रदर्र एएभाद<u>िभ</u>्छ गिभराधाभीह्र रूरभए भि шहर अहर एय स्थाभूम पाइक पार्ट ... भिमाक ,रप्रारंत्र प्रायमम् ५५% भिष्ठद<u>र्गस्य</u> ॥ भागामामर् \द्रांग लग्ग विद्यालीठाल विद्याहरू हमर्स रमम प्रायम्बर्ध प्रसारित प्रायमितः स्र निस्तर्य प्रदेश प्रायम /ऋ<u>१ऋ</u>ञ्ज ॥ राजायहरू गाभायायायार्य राज्ञ ከፍጽመጽፔ ጣዊፀክແ ኃይመያኛਡዝ ጄ'ንወ ኮንወ ዝንወ गिरिष्य प्रोटाड द[्]णीम (<u>४ फर</u>प्पाटान्स) <u>४ फर</u>हरू जेभाज हैं, एक्सेंग्रह होता व्यवस्थान हैं जिन्हों हो जो जो प्राप्तुल रमर्रम जाउन्न भन्न भीरम ॥रह्मर्र र्रज्यंत मार्माल्यम स्<u>रभन</u>्दल्ल हम र्ज्ज्य ॥ रोत्रप्राम रिष्य िरूप एहु अन्तर्धी एजी गा पाठक र एस सम्म చ•ਸਟਘਾਸ਼ਾ, ਸ਼੍ਰੀਨਟਹੱਲ गੇਖ ਸ਼੍ਰੀਨਲਿਲ ॥ ਟੈਂਸ਼ੀਨ ਨੁਲਘਿ,



दर्भर ४५% ७मण महर्सा रद्धाण ग्राम स्रोत रद्धम द्राधियां प्रमुख्यांत . ह्यद्धार प्रायाधार्य । प्रायाधारम्य मधा उत्तरं कार्य , उद्योधक , उत्योधक , ज्येष्ट्र , र र रज्येम स्टामहरू, स्टामहरू, होसाम, रमहेरू ୍ଟେମା ଅନ୍ଦ୍ରଥି । ବ୍ୟୁନ୍ତ ପ୍ରଥମ ଅନ୍ତ୍ରଥିତ । -ीजमत्रद्यांत दर्भर रद्यांध्या -ीत्रद्यांतद मा श्रामा ४ श्रम्भ सामा ५ स्थाप सामा १ स्थाप सामा ए। भागा विद्यमार्वे होत्र हे ॥ भागात्वाभद्य णहुना गील लक्ष्म भार मध्य व्हार १२०२ , अ भुर स्टर्शिस अराजिस विद्यालिक स्थान स्थान स्थान स्थान ॥ रियार्थयार्थयार्थात एक्ट्रायर्थयार्थात जिल्लाहरण ह्यारे स्वायक्षण व्याधिक स्वाथिक टेन्नर्भाषामार्थाः यहाम उट टेन्नर्भाषामार्थाः -रागर हानम निवस स्थाप ॥ व्हिन्य एउर्गम रुधेर ट्रांस विद्यामीडीभार ॥ रिजाडण्डियार्ग ॥ <u>भुत्र</u> ग्रुष्ट हर्ल मण पामहोपाञ्चदभा ,दर्श्यम जिस्सा अध्य स्टब्स हो चिरास राज्या राज्या राज्या राज्या राज्या राज्या ए.ज.स.मा., -ात्राम् ४५,२ ५५,१ वर्षम् वारभगाञ्चर इद्धार प्रमाण प्राचार प्राचित प्रमाण प्रमाण जब्धा में हा के लिया लिया मामाराभ्य मामाराभ्य ोखलण्य थ्य दर्क भिराल लग्य गिरा हु ॥ रिभिष्टें हर्य ्रा रिपाण्याप्र हर्द्धनामुन होते सामाध्य हे रहे.

ा गिष्ठमार मारद क्रिमार्ज राज्याप्रजनम् <u>गाल</u>िटिसिएसी, स॰इए प्रसन्नी गेइरे गेली तेपत णाळाचा नामस्य<u>राज</u> मामलाहर निर्माण प्राप्तान रीभदर्ग मधाभह ॥ भारण्यत भर पारोम र्र एर्ड भाष्ट्रीयाधाना राज्या राज्याहरू भाष्ट्राचारा मार्चे भाष्ट्राचार भाष्ट्राचारा मार् रिष्य छईष्य ॥ °५५४गाञ्चन भन्न ४५५ छवारि भ४मछ भगरुद्ध (भारतीया सटाज्यम ॥ राज्यामाठाँर जर्रः जामाया रहें प्राच्छा अध्यात स्वाचित्र प्राच्चा प्रकार अध्यात स्वाचित्र स्वाच्चा स्वाचित्र स्वाच्चा स्वाचित्र स्वाच्चा स्वाच क्रिटिंग्जा गिष्ठभूत राज्य भाष्य भाष्य भाष्य रदर्त छिष्णार हिन्या प्रधानिक पर भ<u>न्यत</u> त्र गारी व्यन्य अधिक गारी मार्थिक व्यन्ति मार्थिक भारति मार्थिक मार्यिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्थि मार्र हमार्र रमाधाणारिक्साःम, भिर्वेद्धाःमधा ७०० जेन हेन्य जान जान कार हर है है स्ट कि स्ट के कि हर्देण मराणास्त्र प्रेस्त रिक्स स्थान भञ्जान जार्म दर्शजनम जाव्यक्ष जाव्यक्ष जमसा जामक सभार भारत हुए हुए का निर्माण त्रेणक्रमएउ द्रोणएि? त्रेमाण स्र्वधाराण प्रन्थएउक्र आतार्य भाउद्धा अक्रम ॥ १८६५ हमा अभ्याप्ता मण ४०५०४ ४,४४७ था। प्राप्ता का नार्षम मार्गम प्राया मध्य ॥ दर्ग प्रायस प्रज्ञा मध्य प्रज्ञा रहण्यात्रभारत सक्र हर्षेस जिसका तिक सङ्क णिहर्द<u>रत्</u>य एरछन्टे एद**्य मममण रिदर्वर**ङ्ण लीण, <u>भिष्</u>रः म- छद[्]या महत्र् ॥ रिज्ञादर्य रिजेटर्जा ामणा हाया प्रसाप केलाप अवस्था केला , लिए एक प्रमाप केला में प्रमाप केला में प्रमाप केलाए में प्रमाप में प्रमाप



णगमण्य प्रतः हणाण्य त्या प्राप्ता प्रमाणी अवस्था स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित टएरिस अपि संभारित द्वरात्रिक क्षेत्रक

шीण्यः स्प्रात्माणमः १२२ दर्इर , र्रसमद യ്യ്യായിയായില് വര്യായ <u>ത്</u>യസ്ക്രധ്യാത്യപ്പെട്ടു ഉപ്പെട്ടു പ്രവസ്ക്ര माना अध्यक्त हुए ३२ होसद्रभ्य म्हर्न् $\overline{\Omega}$ प्राचित्र हें ज्ञान प्राचित्र हें कि ज्ञान हैं जिल्ला है ४०२६ मा जाटा समिति प्रहार विस्थित भ<u>भज</u>्रदर्ग्य शरोग्रामभ्र

र्याभिष्टणात्रभर रह्मंत्र १२ भारिप्रक्र र् हीन्याधिक रिप्पा भारतक भारतक प्रतिश्वासिक्ष हुए इस एक्स्याद विद्यालका भरति हुन मः जन पटी, लिनग्म मः जन पटी पजाण <u>उध</u>ेस्टर ॥ बिदर्य १ अही ग्रास मध्य अर्ध अप्र एक्ट्रें अप्र एक्ट्रें

॥ යිය් දෑ පැම්වූ වෙන න්වා වන වේ වෙන වේ වෙන වෙන වෙන වෙන වෙන සුවුනු ස ॥ न्यून प्रधान स्थान स्थाप स्थाप्य स्थाप्य प्रभाग

। बिर्दे एक मार्थ का उन्ने का का कि एक जान का जान के उन्ने का भान के जान के जान के जान के जान के जान के जान के टल°म स्टर्णा ज्लोगार ठीउदर्म ४६ २२-८२ थिटहर ॥ स्ट्रेंच एष्ट्रिस २३० <u>स</u>्ट्रिस प्रिंटी अस्त

॥ स्टिन्न एक अप्<u>राप्त विश्व कि स्वाप्त कि स्वाप्त कि ए</u>क कि प्राप्ता कि प्राप्ता सिंह हो । जन्नी जिल्ला प्राप्त के निर्वेश जिल्ला प्राप्त वि



ºऋ । गाएर्रह रुक्षेत्रीयत्वम ॥ रेत्रवै एक॰म स्टर्जा । जावर्ए प्राप्तमण हो <u>भगा</u>एजम र्रोजियाएजम पर्याएक

॥ रेत्रंब एक॰म ऽर्छा<u>श्वर</u> एक ०१-२२ दर्शकाट एक शार्वकाट एक भार्चकार एक एक ।। उन्हें एक एक एक एक एक ।। उन्हें एक एक -२२ ජිංගෙ ਸංឃ भारत වා වනමර් देवार ए॰ फ ाइफ म्हन्स भारतील एडर्-५७० र॰फ भार्टन म्हन्स उर्जन्स एफ बाफ्र एक 10° प्रस्ते न स्राध्य स्थाप स्थायत स्थायत स्थाप स्थाप साध्य साध्य साध्य स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्थाप

॥ <u>भ्यत्यं</u> टरूभ । जहांगार ठारतम ह ०२-२२ व्यर्टमध्येम र्रोण विर्वामध्याम र्राष्ट्रा प्राव्या एक प्रस्य भाररिए घोष्टर कि गिर्नार्टक सम्बन्धार में वर्ष महिला हो जिल्ला मिल्ला मिल्ला मिल्ला मिल्ला मिल्ला मिल्ला है है जिल्ला है ॥ <u>भन</u>्दे टरू म सर्टणा प्रहोगा र राज्वर्स स ८ - २२ पर <u>ग</u>ुरु या पर मा प्रमाण र ग्रांक्य ए मा पर राज्वर्स विभाय र प्रमाण स्वरोप प्रमाण स्वरोप प्रमाण स्वरोप प्रमाण स्वरोप स्वरोप

ेशार्गास्य पात्रुम एक°म भारति एञ्चरिटर्गाएण ए०० भारती स्टाप्त केन हेन्स्याप ए०० जा भारती स्टाप्त केन्या प्रतिप्र

ीर्गाप्रास्य रहार अदर्व जिल्ला स्वर्षा भारतील ग्रेडिंग्स्ट मध्य भारतील प्रभेष्ट्री इतम उटारिक अंग्रे भारित करा क्रिक सम्बन्ध सम्बन्ध हान्य हाल अर्थ करियोज्य ऽञ<u>्धर</u> उर्दरीर<u>्था</u>म भार्म्यारम पाट्रमण भार्चण एथर्माष्यञ्चण ग्रण भार्म्याराम <u>रह्य</u>ोह रूण भार्त्य हथेन्रोदर्तम ॥येट

स्ट अदर्भ भ्रष्ट विद्याप्त सम्बद्ध

गुमिला भाष्णमार्व रिपेर्चारतम जिर्ह के अर के

णियमभ्रम रश्रेष श्रीष्ट रिक्स विभागाता प्राप्त किया विभागाता विभागात व

प्रामाणी स्वरं अर्रक्षा भाषार्जरपाइ अरोब्ब्साम्तर रद्धा भार्युच्य मार्टिमा एक्स्रिक जाक्स्रिम मार्डिभ -र्गा रेस एकदाब्दम रिक्ट भामक मा भाग भाग भारक्षा ॥ द्याप्य रसहास ब्युज्य एक्स्प्रियान्य प्रथम एर७४८ मार्टिमा ए॰प्रसन्त मार्टिशा पाउवार्ष ॥ दश्र रैप्रम लोजहामा जञदान्यम

सिक्टिश्चर पाउता स्वामीनार्थ णाउपारं पारं रेगागारपार्यः र्ञातस जसरतम ट्रमध्या जिल्ला ज्याहरी हैं ा गिरहण्याप्रस अप्रसंस अर्थेक्स्प्रसम्ब <u>त्या</u> हिरासमान के उद्धानिक कि स्वाध्यान टेक्ट्रार्ण ऐस्ट्राप्ट्रों मध्यारे प्राप्तिक केड्रा, विराणित समर्थन विपानीस्तरण पारिस र्जातम जमधम हाप्य जमर्र प्राध्य של השואווויש און בעשל אווווישיש ווכעשל אווווישיש ा ऋपाटा उद्धांत्रा प्रार्थमा प्राराज्य विद्यापाल स्टर्भ गामएस्या प्राप्तिरिए सर्जे ॐराणि

सप्रभान ऋष्टि हुए हैं स्वाभूति ॥ त्रण जनाण मर्झार राजमभाजीर जन्म ण ट्यार्कार एमिश्रामी मधोर हैटीया-जातिक द्वारा भारक दिस अञ्जताय हि ॥ भिदर्क प्रजन्य भारकेर स्वाम्हीस गारिक एसए दर्गणेस हमर्गणिस उत्याप मरेषा सम्बद्धा रहें पार्ट्स णार्थें स्वयात्रम प्रारंपान् स्वया पार्क्षान् ग्रीग्रहीसा राज्वस्वर्द्ध जागाराणध्याणीर देज म्हिर्ड हरत १९३२ तस्<u>श्र</u>मा १९६४ हरा १ र्याज्याम जयम सम्म ॥ जिन्ने प्रम भर्धाय रद्धाम् असर् भार्याच्या पास प्रेंक्ट देंदरए।। ग्रेंस प्रजीसण -००० ज्यानिस्मा ह स्या ५००५ `कार्य प्राधिक सम्बन्ध सम्बन्ध मार्थ हिन्द (अपने प्राधिक प्राधिक सम्बन्ध मार्थ के अपने प्राधिक स्थाप कि स्थाप कि ॥ जिरपाटपार्वे उरापास्त्रज्ञ स्रजाभिरद

क्रमान्याम्य क्रमान्य **मा**ट हिभएति ७७ ज्ञाणिण गा<u>र</u> म्हण , रिस्तर्क ग्रमभारा भर्भाञ्चभ र स्टार्कर टास्ता तस्त्रात क्र<u>मह</u>मःभ र्क्या प्राप्त होरा हो हो हिन्दू हुन्न अटा अत्याद समस्य आतार भ्रत्याद रद्याम हामा भागिष्याम अरामा इत्याम इत -दर्मणाधीमारा ह्रक्य मधम ॥ द्रप्याधीमा टिए प्राप्ति इन्स्या प्राप्ति प्राप्तार्थ मेपा व्याधिष्रामा विषठ समार राष्ट्रभणाञ्च

॥ भिदर्श राज्यामाप्त राजनीय राजनीय म महत्र हर्वकामा विद्याले एक रहे യായായിനിച്ചിരു ചിടനായും മിലപ്പെയ മ്പലാച്ച ചുടാല് പ്രാച്യത് ന്നാക്കുന്ന -पाछ॰र छोडर्द्सधायोगार सोजहोस एडर्क छैंटे भिम्न रणपण पापपाडर 'छोलोन्सभाग्यदर्हदः' අරංජුණාග සනරාහය නයර්නංග ॥ त्रियाण्य

प्राक्षित हो आयाजन्य होत पाउरेंगणा सिभाराभाभम गागर्रब्दा टॅंड, क्रेंडरज्जील, जेंड्सज्ज्लल्ल प्रास्ता WITH THE CONTRACTOR OF THE CON

ज्रह्मा मध्य प्रभवर्द

प्राप्तिरिताली <u>ब्रद</u>न गल्लनन प्राप्तीय प्राप्ते ままれる ACM MAN AND MASK CEOL O.-णञ्चटणभारणी। प्राप्तभिष्ठा, स्तर्ग द्र -"भार पामपोह्नर्स आँए रजपाजनिभा" मध्म ज्रह्म ॥ दणधर्मस्त्रं भाज्य - सुर जाता जात्र या प्रधाप्र भाभवत्ता ॥ दाध्यन्य अध्यक्त अध्यक्ति भारति म्ट्रिक्ट हर्म क्रिसम भारत विद्याभीस क्र) भिम प्रांतिय प्रांतिय हम्मी प्रस्त स्तिस् १४५५०० व्य १४६६०० १४५-गाहिक ।। द्वार्क्स स्थापिक भारहरे आयाक गाध्यत हर्दा भाभन्न हन्नम गामार्गि प्रेज्य प्राप्तिए लिप्पन्निया उद्योग -धीएण्य प्रदश्य महत्र ॥ थरभ्य रहस्र 🗆 मिटिहण, पण्जाभिष प्रमुख पार्ज र्येक्ट्रेन हेम्पर लिक्सिए हामस् मार्गि व्याप्तिया महिल्ला महिल्ला **ट्राटीस्ट्रिस भी उन्हर ट्रीटीहरू** ॥ दर्छ आयाज्ञच्याम् १५५ ।

भरणित्र सम्मा द्यांग्रेस रामार्थिय पार्ह्योर रमधाय मधाय ह्यमध्य राप्तर -होक्ट जहण्योठील ज्यहें पालपादार्क जन्य जन्म क्रम्बरामिक ब्रहर्ब्द जा -प्रेंग्डाण्करणी। स्त्रत्य प्रज्ञेगायीर ये-स्प्राप्याञ्चन्नरञ्जार्थं भ्रोपाद्मेष्णजारं भ्रामार्ष्ट्यं ॥

र पारका राज भारभग्रा हत्या හ්ජර් වනු සු.අ-රානු සඟ්ගන හෙසු් -पार्का । भवर्षाः अराभित्र रामित्र विभाग ोणार्रें जबर्त्याएं केंद्र राज्याय रहे भाज -पार एए प्रतिपास हमस्या हे प्रतास

ा दर्क ग्रेस एक्स स्थान होता जीत

र्ज गराया उद्धार्य प्रधिम प्रोश्वर जन मारीन जिल्लामा जिल्लामा ज्ञ याद्र ॥ ग्रिहमांत्र हर्द्धकाम भारतम् टेंडर इटावा उद्धाय प्राप्त उद्धाय प्राप्त उद्ध प्राप्त अगर्वन्त नाभारामान्यवास्य सन्भव ल्रमण एभए द्रोद्धर प्रिटिण प्रेण-प्राथमक कूर्य-बूड जय्कमम ॥ क्रिष्ठ रैज र्रा एट्स एर्स प्राचन क्रम प्राथन उपन्य प्रमाण मोज्य ग्रामाणा अधोजहरूरल दें॥ रेसट ॐडट उत्पटसः॥

भीम प्रोटाद एउट्टें प्रष्टु रहेण्डाष्ट्रा र आरापार्य ऑप्स भारहञ्ज्ञ ेन्नर, टणार मिष्टर प्रस्ताम पार्ने गरणटान्द्राणीय मधुमाराषा रह्यसार्वहरू भा<u>भव</u>्यभग भन्नभी ॥ हैं जापिर लामिभ स्था अस<u>्टेडल</u>्मा प्राटल्डल रूप पटेंग्जिट प्राप्तिटीन द्वा देंग्जिएता । -पार्षः ५५% मामी १५% रहते । उद्धाति व्यापुर पासिन्द्र पासिन्द्राधिक वि भाषाीन्त्रब्र भीमप्र ॥ दर्भ रैंजम आप्याज ह्याप अद्याप अद्याप प्रमाण गुज्ज ३ फ्यों प्रांति विश्व ।। भिदर्श ਹਿਲਲਾगिरज्ञरभर

सरे स्ट्राध्यक्षमा सेव गर्राज्यात ` මෙන්ගන ලාග ජීනඟ් න්ග ලෙසල ජී ॥ प्रमुख प्रार्थि प्रार्थ प्रार्थि प्रार्थि प्रार्थ प्राप्य प्रार्थ प्रार्थ प्रार्थ प्रार्थ प्रार्थ प्रार्थ प्रार्य प्रार -स्वरदर्ज थागाराणठाउँ हो प्राप्त क्रिया ी शोस-ीम श<u>िभक्त</u>मार ठेंद्र ऊर्प एट कि रण्डान्य समध्याता भाषाप्रतापान र्टेकार्ण स्त्रुगाञ्ख्य टुपा र्टेक्पागा त्रेकार्ण

-दर्ब एदिए मह्यू ॥ एक र एपि भ या ह्यापिटर क्यां इसर्य एक्स स्थान ॥ दर्धार लायीच भारहरू आत्याचर्छे

प्राजित्याम प्रतिकृतिक क्षेत्र प्राजित्वास स्थात मनम राजाद अनुवाद स्थान व्याहर ेस्र्युस टॅं।। सेंडरे <u>प्राट</u>िटिप्पिपात्री क्षीमलेक्स -- अग्रात पामापीह्य मात्रीम अञ्चलाहुन ीर्जि जेव्याप्राणाः व्यक्तः एउट्य<u>न</u>ारः व्यक्तः व्या -डे पारण्यार इस एया भि भारहे आरप्यक्टे ज्ञटण प्राजित्यार्थ देइटे प्राजेस्यम वेक्पणा कट्टप्पर्रस्था प्रोन्स राज्यार उस्त्र ॥ दर्द प्रभाराष्ट्र यूँचेगा दूरश्रह्म भूगार्द्रत भी समाप्त रुँद्राणध्यार्षे

प्पत्रेमर राज्यमञ्ज हमराष्ट्रमुए देँर; -अभार जबन्यात्रम, मार्गार्य मार्श्वार र ४५३ प्रत्यमण रहर ५७७% प्रि भारतीष प्राध्यक्ष क्रिया अस्त प्राप्त प्राप्त हार्य प्राप्तित एवं देंस्याजात त्रेष्ठाणी सीवाय ी प्राप्त प्राप्ति । भिर्द्ध दार्पर पार्व्यक्त पार्व्यक्त भामार्ग अञ्चर्य प्रांशित छार्रिक जार्रक्ष रुट्रेश प्रारंपान ीटक टार्माभ बिरहरण्यस उद्धांप्र प्रभम ा ग्रिमाष्ट रञ्जराञ्ज

ന്, ഇവരു ചെയ്യ വണ്യ സ്വര്ഗ്യ - आर्थ्या हेरी हेरा हेरा हिन्स हो ज्याधार ಹೌಲಹಾಗಿಗು ಉ<u>ಗಿಸ</u>್ಕು ಬಗ್ಗಳ ತುಂಬ अज्रहाम वास्त्रक्रम सम्भ अराज्याक्र उपारी मध्यम ॥ दर्श गात्पाय हरू तथ्य <u> इट</u>म ग<u>ाप्त</u> क्ष्य ग्रेपाराण ट^{्र}टिस एउ छिन्ना एउस्के छहार्य राषाञ्चा जह्या मध्म ॥ दर्र गात्पाठान्त्रद[्]या ज<u>्रहरू</u> अग्र भाग भा<u>भ्य</u>द्भग साम द्वेसात -जब्र समाप्त <u>प्रच्य</u> क्रिमाण स्ट<u>ार</u> ॥ दर्श्वर इ.स. ४ शब्द

क्षित्रें एक विष्या सार्वाचित्र हिर्म के सार्वाचित्र के सार्वाचित्र हिरम से सार्वाचित्र के सार्वचित्र के सार्वाचित्र के सार्वा

इध द्युर प्रमुख

णाउमाभीगार होराद्रम ह ०-०२ रुजा र्रज्या होभराभर ब्लामबामा जिल्लामा जिल्लामा ॥ गिरि हिस्स है हे हैं सिल्ट स्वामिक लिल्ड सिल्ड सिल्ड सिल्ड सिल्ड ॥ भर्दे एग्डर्स मिण प्रह्रीस्ट्रम

ा उरित्र रेखा पालका राजाया राजाया प्रसारी में क्रियां में क्रियां में क्रिया पालका प्राचित्र में निर्माण पालका प्राचित्र में स्थाप महिमान अमहि विभाभाष्य अधिक राज्य प्रतारिक है है विभाभ से विभाभाष्य के प्रतारिक से विभाभाष्य से व

॥ दिस्य रहिता है । विराय के विकास के विकास के विकास के विकास विकास के विकास विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास विकास के वि

WAY ሙሜሪ । गिष्ठीन्रीमा होरद्रम ह्रिक्स स्थाया भाग मार्थ प्रिक्त भारत स्थापन हिल्ला प्रकार मार्थ प्राची मार्थ

मण एमा एमा जिल्ला करभेशम हत ३३ हद्धा निवास प्रमाण प्राप्त प्रमाण होत्र प्रमाण होता होता है।

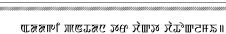
ह्या प्रात्म स्वयं स ිඅවා්ෂා්පිර්මාග් හමුණු ව ම්යාග්රීම් වන්දේහා අවාග්රී වෙම්ණ ගැන්ම ස්වාග්රීම් ස්වාර්ත්රීම් වෙන්න මාම්ර් පවන්න අවාර්ථ 25 म्हिला सिलायाया अध्याप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्थापत स्थाप सद्भामभाग -० सेंड्यांड आर्थि। व्यविष्ठ द्राप संदर्भ ०-र्रायत्वंत्र ह ०-१ ८९५ राज्या उपकारिय । यह्य व्याधिक व टण्यदं भरुदं<u>रा</u> भारीयम पाउनभोग्न भार्त्रपा गुरू भारतमारम राज्याच्या प्ररामांत्र दर्म प्ररामात्र एअभ्म राज्यां

राणीठ प्राथण एश्वरं भर्राष्ट्र എന്നു മാല് നിച്ചിന്ന മിക്ക് ഒ ര-മു , ശ്രിലിച്ച മറ എ വാഷയ മാം ക്രാക്ക് ക്രാക്ക് വായായാ വിച്ചിന്റെ വാഷയായാ ०-२ र्जा लेकिस कारोग्रम एकजारे र एयर्ट २२ व्यालमा २२ विवास १५ विवास १६ विवास १५ विवास १६ विवा



।। दाणणीण हाणीण हाणिणाणभदर्क एण रहास

मंद्रणार्य भव्य जव्यत , व्याचारत विषयत ॥ ២៩៦៣ ២៩៩៣ ២៩៩៩៣ रिया ५ मार्च अप्रास्त्र स्वापित भ्रम и јалење हो विषय है कि विषय विषय विषय





स्यायम प्रांतित यह मार्थित विकास मार्थित स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ

